इसकी प्रेरणा दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.ए. लघुसिद्धान्तकौमुदी की क्लास के दौरान छात्रों द्वारा उठाई गई समस्याओं से मिली । इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिये इस प्रकार की पुस्तक लिखने का निर्णय लिया गया । संस्कृत विषय भारत के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में बीए, एमए, एमफिल एवं पीएचडी के रूप में शामिल है । संस्कृत विषय में कम से कम एक प्रश्नपत्र लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित अवश्य होता है । सुबन्त प्रक्रिया प्रायः एम.ए. स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल होती है । यह पुस्तक उन सभी छात्रों, जिज्ञासुओं तथा शोध कर्त्ताओं के लिये है, जो सुबन्त रूप की पूरी प्रक्रिया ससूत्र पढ़ना चाहते हैं । इसमें लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ससूत्र सुबन्त रूपसिद्धि छः अध्यायों में दर्शायी गयी है । सभी रूपसिद्धियां पाणिनि सूत्रों के साथ दी गई है । जिससे व्याकरण में प्रवेश करने वालों विशेषरूप से विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को सुबन्त सीखने में काफी सहयता मिलेगी । इसकी भाषा बहुत ही आसान एवं ग्राह्य है । अतः यह पुस्तक इन सभी विद्यार्थियों के लिये बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी ।

डॉ. सुभाष चन्द्र दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संगणकीय भाषाविज्ञान के सहायक आचार्य हैं । आप 2007 से प्रगत संगणन विकास केन्द्र (Centre for Development of Advanced Computing), कोलकाता में तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे । आपका मुख्य शोधक्षेत्र संगकीयभाषाविज्ञान, मशीनी अनुवाद, संस्कृत शास्त्र में उल्लिखत विज्ञान एवं तकनीक, आयुर्वेद आदि है । इन्ही क्षेत्र में इनके अन्य बहुत सारे प्रकाशन भी हैं । इनके विषय में और अधिक http://sanskrit.du.ac.in.faculty/subhash.html पर देखा जा सकता है ।

ISBN 978-93-85539-53-4
9789385539534

विद्यानिधि प्रकाशन
दिल्ली

2017 लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूप सिद्धि प्रक्रिया

लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूपसिद्धि प्रक्रिया

सुभाष चन्द्र
भूपेन्द्र कुमार
विवेक कुमार
साक्षी